विद्याभवन,बालिका विद्यापीठ , लक्खीसराय
रूपम कुमारी, वर्ग-दशम् (ब+स) 🌷🌷🌷🌷
🌷🌷🌷 दिनांक- १०/७/२०.

पाठ्य- -सहगामी -अभिक्रिया 🍂🍂.

नागपंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं !

हमारी भारतीय संस्कृति अनेक प्रकार के रीति-रिवाज तथा परंपराओं का बेजोड़ संगम है |. इसकी संस्कृति हमें संपूर्ण मानव बनने के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार कर उपहार स्वरूप देती है. ; बशर्ते ,हम निर्वहन करें तो !
जैसे -हमारे सामाजिक नियम ,हमारा वेद,उपनिषद , धार्मिक ग्रंथ , धार्मिक अनुष्ठान तथा विशेष रूप से योग आधारित हमारी आध्यात्मिक प्रक्रिया |

उपरोक्त सारी चीजें हमें मानसिक और शारीरिक रूप से संपुष्ट करती है।

आरोग्य हेतु हमें आयुर्वेद भी हमें भारतीय संस्कृति से ही मिला है ,जो सिर्फ भारत के लिए ही नहीं विश्व के लिए अनमोल है ,जो वनस्पति जगत में मौजूद अमृतमय तत्व से हमें परिचित कराता है ।.

गौर करने पर हम पाते हैं कि हमारी संस्कृति पूर्णत: वैज्ञानिकता पर आधारित है । हमारा हर पर्व मौसम के अनुरूप हमें अनुकूलित करता है ।.

इसी से संबंधित प्रश्न को लेकर आई हूँ ,किसी एक को बनाएँ ।

नागपंचमी में हमारे घरों को नीम के वंदनवार से क्यों सजाए जाते हैं ? वैज्ञानिक आधार पर उत्तर दें ।

अथवा

नागपंचमी में साँप क्यों पूजे जाते हैं तथा इस पूजन को आप कितना तर्क सम्मत मानते हैं ?

अथवा साँप जैविक-संरचना में अहम भूमिका निभाते हैं ; इस कथन की पुष्टि करें ।.

आपके जीवन का हर दिन मंगलकारी हो !

शुभेच्छु.

विद्यालय परिवार